प्रभात खबर

ग्रामीणों के आर्थिक विकास को डीवीसी प्रयासरत: झा

■ डीएसटीपीएस का मत्स्य पालकों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

अंडाल. दामोदर घाटी निगम की अंडाल स्थित इकाई दुर्गापुर इस्पात ताप विद्युत केंद्र, भूमि संरक्षण विभाग एवं मत्स्य पालन केंद्र मैथन के संयुक्त तत्वावधान में अंडाल प्रखंड कार्यालय में मत्स्यपालकों के लिये तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया. 26-29 जुलाई तक 40 मछलीपालकों को प्रशिक्षित किया जायेगा. उद्घाटन डीवीसी अंडाल परियोजना के मुख्य अभियंता सह परियोजना प्रधान एसएन झा, अंडाल पंचायत समिति के कर्माध्यक्ष कंचन मित्र ने किया. श्री झा ने कहा कि संयंत्र आसपास के इलाके को आर्थिक व सामाजिक रूप से सुदृढ करने की दिशा में प्रयासरत है और सामाजिक एकीकरण कार्यक्रम के माध्यम से समय-समय पर विभिन्न प्रकार से योगदान करता है. इसी दिशा में समाज के पिछडों एवं मुख्य रूप से मछली पालन करने वाले ग्रामीणों के लिये भू-संरक्षण विभाग, मत्स्य पालन कार्यक्रम मैथन के सहयोग से प्रतिवर्ष प्रशिक्षण लेकर इलाके के लोग काफी उपकृत होंगे. उपमुख्य अभियंता(असैनिक) सुबीर साहा ने कहा कि मत्स्य पालन बंगाल की जीवन रेखा है और इसे बढ़ावा देने में डीवीसी का सहयोग सदा रहा है. कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति कर्माध्यक्ष कंचन मित्रा ने डीवीसी की पहल की जमकर सराहना करते हुए कहा क ग्रामीणों को इस अवसर का समुचित लाभ उठा कर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने की जरूरत है. सभापति कालूबरण मंडल ने कहा कि मत्स्य कृषि के लिये जल संसाधनों का सामाजिक उपयोग करने की आवश्यकता है एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में डीवीसी का भूमि संरक्षण विभाग, मत्स्य पालन केंद्र मैथन एवं एसआइपी, डीएसटीपीस अपने सामाजिक दायित्वों को बखूबी निभा रहा है. कार्यक्रम के दौरान उपमहाप्रबंधक(मानव संसाधन) संदीप भट्टाचार्य, जिला मत्स्य पदाधिकारी वनस्पति विश्वास आदि उपस्थित थे.

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन मत्स्य पालन विभाग मैथन के अधिकारी एनसी साहा की अगुवाई में उपप्रबंधक एसआइपी, डीएसटीपीएस मोहम्मद शमीम अहमद ने किया. कार्यक्रम तीन दिनों तक चलेगा. इसमें अंडाल ब्लॉक के विभिन्न ग्राम के 40 प्रशिक्षुओं को पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के मत्स्य पालन विभाग के पूर्व अधिकारी भवानन्द चटर्जी, तपन राय चौधरी, कार्तिक सिन्हा, जिला मत्स्य अधिकारी(वीरभूम) बनस्पति विश्वास, अर्चन दास, मत्स्य अधिकारी रंजीत सिकदर प्रशिक्षण देंगे. अंत में सभी प्रतिभागियों को 50 हज़ार के करीब मछली का जीरा वितरित किया जायेगा और सिर्टिफकेट दिया जायेगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में फॉरेस्ट लेक्चरर समीर खुटिया, श्यामल दास ने सराहनीय भूमिका निभाई.

दैनिक जागरण
बुधवार, 27 जुलाई, 2016

ग्रामीणों के आर्थिक विकास को डीवीसी प्रयासरत

जासं, दुर्गापुर : दामोदर घाटी निगम की इकाई दुर्गापुर इस्पात ताप विद्युत केंद्र (डीएसटीपीएस) की ओर से अंडाल ब्लॉक में तीन दिवसीय मतस्य पालन शिविर मंगलवार से शुरू हुआ। जिसमें भूमि संरक्षण विभाग व मतस्य पालन केंद्र मैथन भी शामिल है। अंडाल परियोजना से प्रभावित चालीस लोग जो मछली पालन करते है, उन्हें यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसका समापन 28 जुलाई को होगा। शिविर के उद्घाटन के दौरान मुख्य अभियंता सह परियोजना प्रधान एसएन झा मौजूद थे। उन्होने कहा कि डीएसटीपीएस आसपास के इलाके के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में समाज के पिछड़ों एवं मुख्य रूप से मछली पालन करने वाले ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इससे उनकी आय बढ़ेगी। उपमुख्य अभियंता (असैनिक) सुबीर साहा ने कहा कि मत्स्य पालन बंगाल की जीवन रेखा है और इसको बढ़ावा देने में डीवीसी का सहयोग सदा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति कर्माध्यक्ष कंचन मित्रा ने डीवीसी के इस पहल की जमकर सराहना की एवं कहा कि ग्रामीणों को इस अवसर का समुचित लाभ उठा कर अपनी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने की जरूरत है।